यूको बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) UCO BANK (A Govt. of India Undertaking)

सम्मान आपके विश्वास का HONOURS YOUR TRUST

यूको बैंक मना रहा है 77 गौरवपूर्ण वर्ष 1943-2020

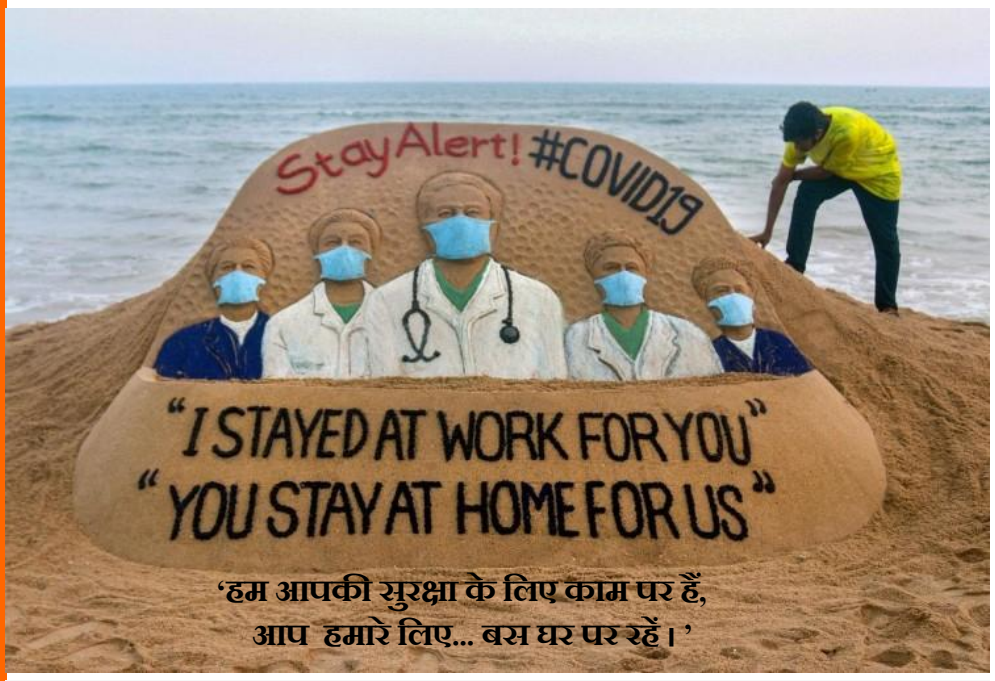

यूको बालेश्वर मासिकी

कोरोना के योद्धा विशेषांक

अंक – 2

संयुक्तांक
अप्रैल और मई—2020

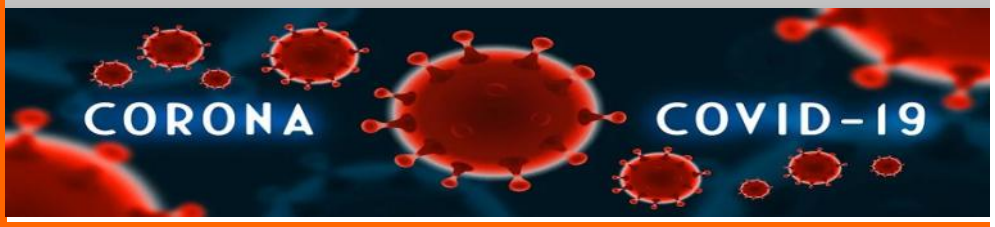

प्रकाशन की तिथि
09 जुलाई 2020

सक्षम हैं हम, जीतेंगे हम

लड़ेंगे हम — लड़ेंगे कोरोना से — जीतेंगे हम

पत्राचार का पता

अंचल कार्यालय, बालेश्वर
पुलिस लाईन चौक ओ.टी. रोड
बालेश्वर, ओडिशा - 756001

फोन: 06782-240134, ई-मेल: zobalasore.ol@ucobank.co.in

संरक्षण
श्री प्रणव कुमार विश्वास
सहा. महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख

मार्गदर्शन
मो. अनवारूद्दीन
मुख्य प्रबंधक

संपादन
राजू रंजन, प्रबंधक (रा.भा)

सम्पादन सहयोग
समस्त अंचलकर्मी

विषय-सूची

1. मुख पृष्ठ
2. परिचय व विषय-सूची
3. अंचल प्रमुख की कलम से
4. सपने में आया कोरोना: कविता
5. संपादकीय
6. भाषा के रूप में ओड़िया
7-8-9- कोविड-19 के दौरान शाखाओं में सैनिटाइजेशन व सामाजिक दूरी
10. मोबाईल एटीएम वैन
11. स्वयं सहायता समूह को ऋण संवितरण में उपलब्धि - ठाकुरपाटना शाखा
12. बालेश्वर दैनिकी - 5 मई 2020
13. शिष्टाचार के नियम
14. एटीएम उद्घाटन
15. स्टाफ सदस्य की विदाई
16. मास्क फोर्स
17. राजभाषा 'अनुपालन'

अंचल प्रमुख की कलम से

मित्रो नमस्कार,

बेहद हर्ष की बात है कि हमारा अतिप्रिय बैंक वित्तीय वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में न केवल कुल एनपीए कम करने में सफल रहा बल्कि पिछले 18 तिमाहियों में पहली बार 17 करोड़ का लाभ भी अर्जित किया। आप सभी को मेरी तरफ से बहुत बधाई एवं शुभकामनाएँ। परंतु ऐसा नहीं है कि बैंक के इस लाभर्जन से हम संतुष्ट हो जाएँ। आने वाले दिनों में इस स्थिति को बनाए रखना, लाभप्रदता में बढ़ोतरी और खुद को समकक्षों से बेहतर साबित करने की चुनौती हमारे सामने होगी जिसका सामना हम सभी को डट कर करना होगा।

आप सभी जानते हैं कि मार्च तिमाही हम सब के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रहा। कोविड-19 से प्रभावित अर्थव्यवस्था को संभालने की कमान बैंकों को सौंपा गया। मुझे खुशी है कि इस विषम परिस्थिति में भी हमारे अंचल ने सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अक्षरशः पालन किया और प्रधान कार्यालय द्वारा "कोविड-19 इमरजेंसी क्रेडिट लाइन" योजना के तहत प्रदान किए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में बेहतर प्रदर्शन किया।

दिनांक 29.06.2020 को सभी यूकोजन को संबोधित करते हुए हमारे माननीय प्रबंध निदेशक महोदय ने लाभप्रदता के घटकों का भी जिक्र किया। उन्होने बैंकिंग के छोटे-छोटे कार्यों की भी बैंक के लाभ में हिस्सेदारी को परिभाषित किया और बैंक की स्थिति सुधारने में समस्त यूकोजन के प्रयास और योगदान हेतु आभार प्रकट किया।

मित्रो, मेरी समझ से "वन टीम – वन ड्रीम" की भावना से कार्य करते हुए हम सही दिशा की ओर जा रहे हैं। यह कहने की बात नहीं है कि लाभ की स्थिति हमारे अंदर धनात्मक ऊर्जा का संचार कर चुकी है बल्कि आज हर यूकोजन यह अवश्य ही महसूस कर रहा है। आने वाले दिनों में प्रधान कार्यालय द्वारा ऋण प्रसंस्करण से लेकर ADC प्रोडक्टस व अन्य तकनीकी उत्पादों का अद्यतन किया जाएगा जिसके हर पहलू को जानना हमारे लिए बेहद आवश्यक होगा क्योंकि ये हमारे कार्य को और आसान और विश्वसनीय बनाएँगी साथ ही साथ समय की बचत भी होगी।

मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि हमारा अंचल प्रधान कार्यालय द्वारा आबंटित हर लक्ष्य को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। आइए हम मिल कर प्रण लें कि..... "इस लाभ की स्थिति को न सिर्फ बनाए रखेंगे बल्कि ऐसी मेहनत व लगन का परिचय देंगे कि इसमें दिन दुगनी और रात चौगुनी वृद्धि होगी।

आप सभी को एक बार फिर से बधाई !
कोरोना काल में संभल कर रहें, सुरक्षित रहें।

प्रणव

प्रणव कुमार विश्वास

सपने में आया कोरोना

कल रात सपने में आया कोरोना....

उसे देख जो मैं डरा तो मुस्कुरा के बोला
मुझसे डरो ना...

उसने कहा- कितनी अच्छी है तुम्हारी संस्कृति
न चूमते, न गले लगाते
दोनों हाथ जोड़ कर स्वागत करते,
मुझसे डरो ना..

कहां से सीखा तुमने ??
रूम स्प्रे ,बॉडी स्प्रे,
पहले तो तुम धूप,

दीप कपूर अगरबत्ती,लोभान जलाते
वही करो ना,
मुझसे डरो ना...

शुरू से तुम्हें सिखाया गया

अच्छे से हाथ पैर धोकर घर में घुसो,
मत भूलो अपनी संस्कृति
वही करो ना
मुझसे डरो ना...

उसने कहा सादा भोजन उच्च विचार
यही तो है तुम्हारे संस्कार।

उन्हें छोड़ जंक फूड फ़ास्ट फूड के चक्कर में पड़ो ना
मुझसे डरो ना...

उसने कहा शुरू से ही जानवरों को
पाला-पोसा प्यार दिया
रक्षण की है तुम्हारी संस्कृति,उनका
भक्षण करो ना
मुझसे डरो ना

संपादकीय

जैसा कि आप सभी जानते हैं, पिछले तीन महीनों में बेहद जरूरी गतिविधियां ही संचालित की गईं हैं क्योंकि भारत में कोरोना वायरस महामारी का प्रसार मार्च महीने में शुरू हो चुका था। मार्च के पहले सप्ताह में सबकुछ सामान्य था। अचानक विश्वभर में कोविड-19 को लेकर भयावह खबरें आने लगीं। धीरे-धीरे इस अदृश्य दुश्मन ने हमारे देश में भी अपने पर पसारने शुरू कर दिए, जिसने हमारे जीवन में उथल-पुथल सा मचा दिया। रेलगाड़ियों के पहिये रूक गए, हवाई उड़ाने बंद हो गईं, स्कूल-कॉलेज बंद, दुकाने बंद, घूमना-फिरना बंद, लगभग सब बंद। अत्यावश्यक सेवाओं को छोड़कर सब बंद। तीन महीनों में शब्दकोश में छुपे कुछ शब्द हमारी जुबां पे चढ़ गए जैसे - लॉक-डाउन, सोशल डिस्टेन्सिंग, शट-डाउन, कटेंनमेंट एरिया आदि; तो क्या जिंदगी रूक गई या रूक जाएगी ? नहीं। दफ्तर जाने के समय बदल गए, मास्क लगाना हमारे पहनावे का अभिन्न हिस्सा बन गया, हाथ बार-बार धोना हमारे दिनचर्या में शामिल हो गया, किसी से हाथ मिलाना निषिद्ध हो गया। जरूरी भी है कोरोना के खिलाफ इस लड़ाई में अन्यथा यह अदृश्य दुश्मन जीत जाएगा हमसे।

इस महामारी के कारण विश्व की अर्थव्यवस्थाओं को भारी क्षति पहुंची है। विलासिता की वस्तुओं के संदर्भ में मांग और उत्पादन दोनों ही शून्य हो गए। जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति भर से मनुष्य को संतुष्टि मिलने लगी। किन्तु यह प्रवृति मनुष्य के स्वभाव व वर्तमान परिदृश्य में ज्यादा दिन तक टिकने वाली नहीं थी, और यह संभव भी नहीं कि हम आदिमानव की तरह जीवन बिताने लगे। फलस्वरूप सरकार ने भी लॉक डाउन के नियमों में ढील देकर जीवन के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को भी बचाने की ओर कदम बढ़ाने का काम किया।

तीन महीने की अवधि बीत चुकी है, पहले जब हमारे जिले या शहर के एक व्यक्ति के कोरोना पॉज़िटिव की खबर आती थी तब हम उसकी यात्रा-विवरण जानने को उत्सुक हो जाते थे। आज आलम यह है कि देश में प्रतिदिन औसतन 20000 लोग कोरोना वायरस की चपेट में आ रहे हैं, पर हमने खुद को धीरे-धीरे अपने कार्यक्षेत्र में पहले की भांति व्यस्त कर लिया है। ***इसी प्रवृति के आधार पर जानकारों का कहना है कि हमें अब कोरोना के साथ जीना सीख लेना होगा।***

तो चलें, एक सकारात्मक सोच के साथ कि आने वाला समय मानव जाति के लिए बेहतर होगा। समय की मांग के साथ संतुलन बनाकर हमें हर हाल में आगे की सोच रखनी होगी। पहले से ज्यादा सावधान रहें, सामाजिक दूरी का पालन करें, सैर-सपाटे से बचें एवं अपना बहुत ख्याल रखें।

राजू रंजन
प्रबंधक (राजभाषा)

भाषा के रूप में ओड़िया

ओड़िया भाषा ओडिशा राज्य की मुख्य भाषा है, जिसने भारतीय संविधान की आठवी अनुसूची में मान्यता प्राप्त की है। इस भाषा की तीन प्रमुख बोलियाँ है-संबलपुरी पश्चिमी ओड़िया), देसिया (दक्षिणी ओड़िया) और कटकी (तटीय ओड़िया)। इसकी व्युत्पत्ति का विकासक्रम कुछ विद्वान इस प्रकार मानते हैं ओड्रविषय, ओड्रविष, ओडिष, आड़िषा या ओड़िशा। सबसे पहले भरत के नाट्यशास्त्र में उड्रविभाषा का उल्लेख मिलता है।

यह एक पूर्वी इंडो-आर्य भाषा होने के नाते इंडो-आर्य भाषा परिवार की सदस्य भी है इसे पूर्व मागधी नामक प्राकृत भाषा की वंशज माना जाता है। आधुनिक बांगला, मैथिली नेपाली व असमिया से भी इसका निकट सम्बन्ध माना गया है। ओडिशा के अलावा पड़ोसी राज्यों में भी जैसे कि झारखंड पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ व आंध्र प्रदेश में अल्पसंख्यक आबादी द्वारा स्वेच्छा से बोली जाती है।

इसकी लिपि का विकास भी नागरी लिपि के समान ही ब्राह्मी लिपि से हुआ है अंतर केवल इतना है कि नागरी लिपि की ऊपर की सीधी रेखा ओड़िआ लिपि में वर्तुल हो जाती है और लिपि के मुख्य अंश की अपेक्षा अधिक जगह घेर लेती है। विद्वानों का कहना है कि ओड़िआ में पहले तालपत्र पर लौह लेखनी से लिखने की रीति प्रचलित थी और सीधी रेखा खीचने में तालपत्र के कट जाने का डर था अतः सीधी रेखा के बदले वर्तुल रेखा दी जाने लगी और ओड़िआ लिपि का क्रमशः आधुनिक रूप आने लगा।

भाषातात्विक दृष्टि से ओड़िया भाषा में आर्य, द्रविड़ और मुंडारी भाषाओं के संमिश्रित रूपों का पता चलता है, किंतु आज की ओड़िया भाषा का मुख्य आधार भारतीय आर्यभाषा है। साथ ही साथ इसमें संथाली, मुंडारी, शबरी, आदि मुंडारी वर्ग की भाषाओं के और औरांव कुई (कंधी) तेलुगु आदि द्रविड़ वर्ग की भाषाओं के लक्षण भी पाए जाते हैं। इसके बाद की सदियों में यह मुख्यतः द्रविड़ भाषाओं अरबी, फारसी और अंग्रेजी के सम्पर्क में आई। तमिल, तेलुगु मराठी, फारसी, अरबी, तुर्की, फ्रेंच, पुर्तगाली, अंग्रेजी और संस्कृत के गृहीत शब्दों से इसकी शब्दावली समृद्ध हुई। कुछ भाषाविदों का मानना है कि छत्तीसगढ़ी, नागपुरी और साद्री भाषा ओड़िया की ही बोली समझी जाती है। आज आधुनिक ओड़िया भाषा में 70% संस्कृत शब्द, 2% हिन्दुस्तानी/अरबी/फारसी शब्द, 28% आदिवासी बोली के शब्द पाए जाते हैं।

सम्पूर्ण ओड़िया साहित्य के इतिहास को पांच कालों में बांटा गया, जैसे 100 ईसवी से 1300 ईसवी तक का युग प्राचीन ओड़िया युग, 1300 से 1500 ईसवी तक प्रारंभिक मध्य ओड़िया युग, 1500 से 1700 ईसवी तक मध्य ओड़िया युग, 1700 से 1780 इसवी तक नूतन मध्य ओड़िया युग व 1780 ईसवी के बाद आधुनिक ओड़िया युग है। ओड़िया भाषा के प्रथम महान कवि झकड़ के सारला दास रहे जिन्हें ओडिशा के व्यास के रूप में जाना जाता है। इन्होने देवी की स्तुति में चंडी पुराण व विलंका रामायण की रचना की थी। सारला महाभारत आज भी घर-घर में पढ़ा जाता है। अर्जुन दास द्वारा लिखित 'राम-विभा' को ओड़िया भाषा की प्रथम गीत काव्य या महाकाव्य माना जाता है।

आज हम सब इंटरनेट के यूनी फॉण्ट के आभारी हैं जिसकी वजह से किसी भी भाषा का साहित्य विश्व भर में पहुंच रहा है। यूनीकोड से जो लिप्यान्तरण हो रहा है उस से आप किसी भी भाषा की रचनाएँ अपनी भाषाओं में पढ़ सकते हैं। आज ओड़िया भाषी भी पीछे नही हैं। आज वे अपने साहित्य की महक को विश्व भर में पहुंचा रहे हैं।

स्रोत: नराकास, केंदुझर

कोविड-19 के दौरान शाखाओं में सैनिटाइजेशन व सामाजिक दूरी का पालन

मर्शाघाई शाखा (0841)

मार्कण्डपुर शाखा (1570)

बालितुठ शाखा (1335)

बिदेईपुर शाखा (1358) - दैहिक दूरी के साथ ग्राहकों को ठंडा नींबू पानी भी ऑफ़र किया गया।

कोविड-19 के दौरान शाखाओं में सैनिटाइजेशन व सामाजिक दूरी का पालन

अजिमाबाद शाखा के एक सम्मानित ग्राहक ‘‘कस्तुरी एजेंसी’’ द्वारा ग्राहकों की सुविधा व कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए पदचालित हैंड-सैनिटाइज़र मशीन दान किया गया जिसे शाखा के प्रवेश द्वार पर स्थापित किया गया है।

कोविड-19 के दौरान शाखाओं में सैनिटाइजेशन व सामाजिक दूरी का पालन

ग्रामीण शाखाओं में "प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज" के लाभार्थियों की उमड़ती भीड़ को देखते हुए शाखाओं के सामने गर्मी से बचाव हेतु टेंट लगाए गए एवं सामाजिक दूरी के उल्लंघन से बचने के लिए उक्त प्रकार से घेराव किया गया ताकि एकबार में 4 से 5 लोग ही शाखा में प्रवेश कर पाएं ।

बालिआपाल शाखा (0778)

चौकी शाखा (1736)

भोगराई शाखा (1111)

लॉक डाउन/शट डाउन के समय कंटेनमेंट जोन में मोबाइल एटीएम वैन

लॉक डाउन के समय लोगों के बीच नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मोबाइल एटीएम वैन की भूमिका यादगार रही।
निषिद्ध क्षेत्र जिसे प्रशासन ने पूरी तरह सील कर दिया था और उस क्षेत्र में किसी के भी आने-जाने पर प्रतिबंध था, ऐसे में लोगों को जरूरी खाद्य पदार्थ व जीवनरक्षक वस्तुओं की खरीद के लिए बैंक ने मोबाइल एटीएम वैन के माध्यम से उनके बीच नकदी उपलब्ध कराया। इस सेवा के लिए जनमानस ने बैंक का धन्यवाद तथा प्रशासन-तंत्र ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस एटीएम वैन के माध्यम से सूदूर इलाकों में भी जहां एटीएम सुविधा उपलब्ध नहीं है, लोगों तक नकदी निकालने की सुविधा उपलब्ध कराई गयी। इस कार्य में बालेश्वर अग्रणी जिला प्रबंधक श्री सुदीप डाकुआ एवं अंचल सुरक्षा अधिकारी श्री सौमित्र दास ने अहम भूमिका निभाई।

बालेश्वर अंचल के अंतर्गत केन्द्रपाड़ा जिले में स्थित ठाकुरपाटना शाखा को वित्तीय वर्ष 2019-20 में देराबिश ब्लॉक में सबसे अधिक स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को ऋण प्रदान करने के लिए जिला सलाहकार समिति द्वारा सम्मानित किया गया। प्रशस्ति पत्र प्राप्त करते शाखा प्रमुख श्री मानस रंजन पात्र।

बालेश्वर मुख्य शाखा में श्री सूर्य नारायण दास, एकल खिड़की प्रचालक कोरोना के योद्धा के रूप में ड्यूटी पर तैनात

यूको बालेश्वर दैनिकी

सुप्रभात एवं नमस्कार

वर्ष-2, अंक - 13

मंगलवार, 05 मई 2020

आज का विचार

यदि आप दूसरों को खुश देखना चाहते हैं तो करूणा का भाव रखें, यदि आप खुद खुश होना चाहते हैं तो भी करूणा का भाव रखें
सहिष्णुता के अभ्यास में एक दुश्मन ही सबसे अच्छा शिक्षक है। प्रेम और करूणा आवश्यकताएँ हैं, विलासिता नहीं,
इनके बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती।

आज के शब्द : 1. Elasticity – लोच, मूल्य सापेक्षता 2. Ideal money – आदर्श मुद्रा

टिप्पणी (Noting): The matter is under consideration of our office.

यह मामला हमारे कार्यालय में विचाराधीन है।

नित्य रवि से पहले जागें,
सबकी खुशी की दुआ हम मांगें।

हर आहट पर... तैनात हूँ मैं,
इस छोटे घर की साँस हूँ मैं।

हर कर्म है होता अच्छा ,
जब मन होता है सच्चा।

हम से भी तनिक...तुम प्रेम कर लो ,
थोड़ा स्नेह..... हमसे भी रख लो।

कह कर रोज चले जाते हो ..."फिर मिलेंगे"
तुम गौर करो ....फिर मान ही लोगे
सबसे पहले तो "हम" मिलेंगे।।

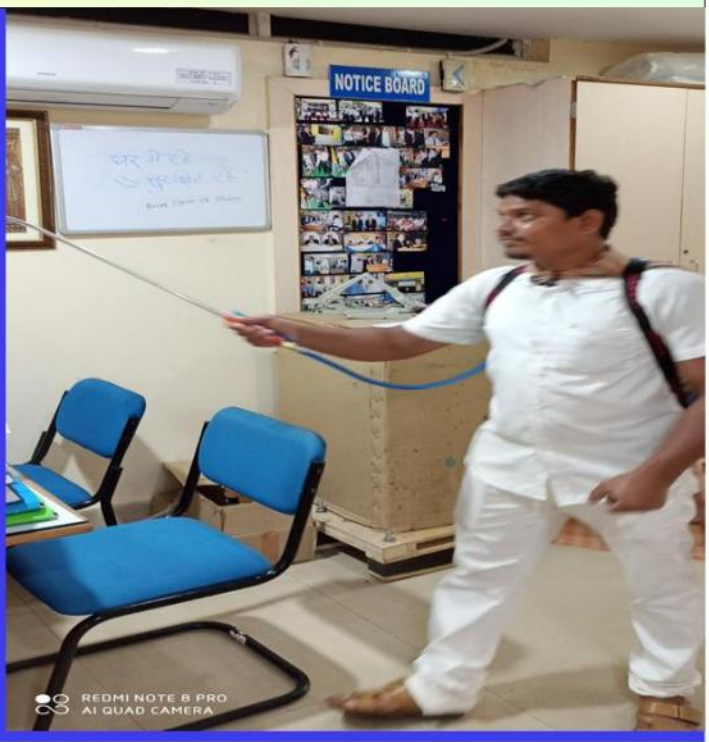

एक टीम - एक स्वप्न
One Team - One Dream

सक्षम हैं हम - जीतेंगे हम
We can - We will

संकल्प 2020 - एक संकल्प बदलाव के लिए

यूको बैंक, अंचल कार्यालय, पुलिस लाईन छक, जिला - बालेश्वर , ओडिशा- 756001
UCO Bank, Zonal Office, Police Line Chhak. Balasore, Odisha-756001

बालेश्वर अंचल कार्यालय के अधिनस्थ कर्मचारी श्री प्रकाश कुमार बेहरा के ऊपर लिखी कविता (5 मई 2020 की दैनिकी में)

कोविड-19 से मुकाबला हेतु शिष्टाचार के नए नियम

mygov मेरी सरकार

क्या करें

बिना शारीरिक संपर्क के लोगों का अभिवादन करें

न्यूनतम 1 मीटर की शारीरिक दूरी बनाए रखें

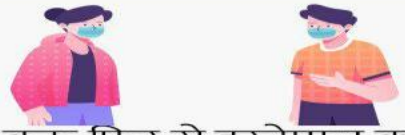

हर वक्त फिर से इस्तेमाल करने योग्य फेस-कवर / मास्क पहनें

सांस की स्वच्छता के नियमों का पालन करें, खाँसते / छींकते समय नाक और मुँह ढकें

बार-बार हाथ धोएं/अल्कोहल आधारित हैंड सैनिटाइजर इस्तेमाल करें

नियमित रूप से इस्तेमाल वाली सतहों को कीटाणुमुक्त रखें

दिनांक: 3 जून, 2020

कोविड-19 से मुकाबला हेतु शिष्टाचार के नए नियम

mygov मेरी सरकार

क्या न करें

अनावश्यक यात्रा से बचें

सार्वजनिक स्थानों पर नहीं थूकें

आंखों, नाक और मुंह को छूने से बचें

कोविड-19 से संक्रमितों / देखभाल करने वालों या कोविड वॉरियर के साथ भेदभाव न करें

यदि सामाजिक कार्यक्रम स्थगित नहीं किया जा सकता है तो मेहमानों की संख्या कम से कम रखें

भीड़-भाड़ वाली जगहों पर न जाएं / सामूहिक समारोहों से बचें

दिनांक: 3 जून, 2020

बालेश्वर मुख्य शाखा से संबद्ध एवं बालेश्वर अंचल कार्यालय के भवन में स्थापित नए एटीएम के शुभारंभ के समय लिया गया फोटोग्राफ जिसमें अंचल प्रमुख, मुख्य प्रबंधक बालेश्वर शाखा सहित सभी अंचलकर्मी मौजूद हैं।

वरिष्ठ प्रबंधक **श्री सुरेश चन्द्र जेना**, निरीक्षण विभाग को सेवानिवृति के दिन विदाई देते हुए अंचल प्रमुख व समस्त अंचलकर्मी

सत्यमेव जयते
GOVERNMENT OF INDIA
mygov
मेरी सरकार
Aarogya Setu
मैं सुरक्षित । हम सुरक्षित । भारत सुरक्षित
कोविड-19 के खिलाफ इस लड़ाई में
12
करोड़
भारतवासी जुड़ चुके हैं
ऐप डाउनलोड करे
Google play
Download on the App Store
मैं सुरक्षित । हम सुरक्षित । भारत सुरक्षित

पहले हाथ धोना, कपड़े बदलना
उसके बाद ही बच्चों से गले मिलना
मम्मी पापा की ज़िम्मेदारी है
ख़तरा अभी टला नहीं
यह जंग अभी भी जारी है

इंडिया की मास्क फ़ोर्स तैयार है
अब घर पर बनाओ अपनी पसंद का मास्क.
ऐप डाउनलोड करे

नकदी
भूल जाओ
यूको पीओएस अपनाओ
अपना कारोबार बढ़ाओ
निकटतम यूको बैंक शाखा से संपर्क करें।
www.ucobank.com
यूको बैंक UCO BANK

शाखाओं/कार्यालयों में सुनिश्चित करें कि.....

1. शाखा के साईन बोर्ड, सभी काउंटर बोर्ड,नामपट्ट, सूचना पट्ट आदि द्विभाषी रूप में हैं।
2. शाखा द्वारा प्रयोग की जा रही रबड़ की मुहरें द्विभाषी बनी हुई हैं।
3. शाखा के उपस्थिति रजिस्टर में नाम पहले /उपर हिंदी में लिखे हुए हैं ।
4. शाखा में हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए जाते हैं।
5. शाखा के सभी लेज़रों, रजिस्टरों,फाईलों का शीर्ष हिंदी / द्विभाषी लिखे जाते हैं।
6. शाखा द्वारा छपवाए जाने वाले समस्त सामग्री, लेटर पैड, फार्म, विज़िटिंग कार्ड इत्यादि द्विभाषी रूप में हैं
7. शाखा के सभी प्रकार के बैनर एवं निमंत्रण पत्र द्विभाषी तैयार करवाए जाते हैं।
8. हिंदी पत्रों को प्रेषण रजिस्टर में हिंदी में ही दर्ज किया जाता है।
9. शाखा में राजभाषा संबंधी एक अलग फाईल उपलब्ध है जिसमें हिंदी के सभी संबंधित परिपत्रों (Circulars), पत्रों, दिशा-निर्देशों इत्यादि को फाईल किया जाता है।
10. स्टाफ सदस्यों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
11. शाखा में प्रत्येक तिमाही में एक बार "राजभाषा कार्यान्वयन समिति" की बैठक आयोजित की जाती है तथा इसका कार्यवृत अंचल कार्यालय को भेजा जाता है।
12. शाखा द्वारा हिंदी की प्रगति की तिमाही रिपोर्ट (Quarterly Progress Report) तिमाही समाप्त होने के सात दिनों के भितर अंचल कार्यालय को भेज दी जाती है।
13. मांग-पत्र, भुगतान आदेश, सभी प्रकार की सूचियां, विवरणियाँ,सावधी जमा रसिदें,चेकबुक संबंधी आग्रह पत्र, दैनिक बही, यात्रा भत्ते,चिकित्सा भत्ता, बैठकों की कार्यसूची/कार्यवृत (Minuts) आदि पर अधिकतर कार्य हिंदी में किए जाते हैं।
14. धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले सभी कागज़ात :- संकल्प, साधारण आदेश, नियम, अधिसूचनाएं, प्रशासनिक एवं अन्य प्रतिवेदन, प्रेस विज्ञप्ति, संसद के सदनों पर रखे जाने वाले प्रतिवेदन, राजकीय काग़जात, करार, जारी किए जाने वाले लाइसेंस, परमिट, टेंडर के लिए नोटिस एवं प्रारूप आदि हिंदी और अंग्रेजी दोनो भाषाओं में जारी किए जाते हैं।
15. यदि कोई कर्मचारी अपना आवेदन, अपील या अभ्यावेदन हिन्दी/अंग्रेजी में करता है परंतु उस हस्ताक्षर हिंदी में करता है तो उसका उत्तर हिंदी में ही दिया जाएगा।
16. हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़े/माह का आयोजन किया जाता है।

धन्यवाद